(ङ) प्रश्न नहीं उठता

अग्रिम आरक्षण के बावजूद सीटों का न मिल पाना

4800 **श्री ईश दत्त यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेल यात्रियों को अग्रिम रूप से आरक्षण के बाद भी, सीटें नहीं मिल पाती हैं;

(ख) यदि हां तो, इसके क्या कारण हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान जोन-वार ऐसी कितनी घटनायें हुई हैं, और

(घ) उक्त लापरवाही के लिए जिम्मेदार पाये गये कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है।

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) यात्रियों को उनके पुष्ट सीटों/शायिकाओं के न मिलने के कुछ मामले नोटिस में आये हैं?

(ख) ये मामले सामान्यतः मरम्मत के लिये चिह्नित सवारी डिब्बों के बदले में सवारी डिब्बों के उपलब्ध न होने, अपेक्षित किस्म के सवारी डिब्बों के उपलब्ध न होने के कारण निर्धारित संरचना से भिन्न संरचना के साथ गाड़ियां चलाये जाने या दुर्घटना के कारण या खासतौर पर मेलों/रैलियों आदि के दौरान अप्राधिकृत यात्रियों के जबरदस्ती घुस जाने के कारण होते हैं।

(ग) और (घ) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

रेलवे के क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना

4801. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे के वर्तमान क्षेत्रीय कार्यालयों (जोनल आफिस) की स्थापना किस-किस तारीख को की गई है ;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा रेलवे मंडलों और क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना यातायात की मात्रा कार्य-भार, किफायत और कार्यकुशलता की अपेक्षा को ध्यान में रखकर की जाती है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त बातों को ध्यान में रखते हुए बिहार में रेलवे के क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना किये जाने के प्रति सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) (क) प्रारम्भ में 1951–52 में 6 क्षेत्रीय रेलें यथा मध्य, पूर्व, उत्तर, पूर्वोत्तर, दक्षिण और पश्चिम रेलवे स्थापित की गई थीं। बाद में, 1955 में दक्षिण-पूर्व रेलवे, 1958 में पूर्वोत्तर-सीमा रेलवे और 1966 मे दक्षिण-मध्य रेलवे की स्थापना की गई थी।

(ख) रेल मण्डलों/जोनों की स्थापना, आकार, कार्यभार, यातायात में वृद्धि और उसका स्वरूप तथा किफायत और कुशलता की आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य परिचालनिक आवश्यकताओं को ध्यान रखते हुए किया जाता है।

(ग) जोनों के सृजन एवं पुनर्गठन करने से संबंधित मामले का अध्ययन तथा जांच की जा रही है।